Date: / /

General Aims of Biology Teaching

जीव विज्ञान शिक्षण के सामान्य उद्देश्य -

मनुष्य के समस्त जीवन-व्यापार किसी न किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए होते हैं। मनुष्य जिस उद्देश्य को प्राप्त करना चाहता है उसी के अनुसार कार्य प्रणाली को अपनाता है। किसी उद्देश्य को किस सीमा तक पूरा किया जाना चाहिए यह विचार कर उद्देश्य या लक्ष्य का निर्माण किया जाता है। इस प्रकार उद्देश्य और प्राप्त उद्देश्य की प्रकृति में भिन्नता है। उद्देश्य प्रयोजन है और प्राप्त उद्देश्य साध्य, प्रयोजन को ध्यान में रखकर किये जाने वाले कार्य की सफलता की सीमा है।

हमारे जीवन की सफलता बहुत कुछ उद्देश्यों पर निर्भर करती है। इसी कारण शिक्षाशास्त्रियों ने शिक्षा के ऐसे स्वरूप की कल्पना की है जिससे जीवन में अधिकतम सफलता मिले। यह सफलता जीवन के किसी विशेष क्षेत्र में नहीं अपितु समस्त क्षेत्रों में होनी चाहिए। अतः शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य मानव जीवन का सर्वांगीण विकास माना गया है। शिक्षा के अन्तर्गत विभिन्न विषय हैं इन विषयों में प्रत्येक विषय को पढ़ाने के पृथक-पृथक उद्देश्य हैं। विभिन्न विषयों के इन पृथक-पृथक उद्देश्यों का समायोजित स्वरूप ही शिक्षा का सामान्य उद्देश्य है। जिसके द्वारा मानव जीवन के सर्वांगोमुखी विकास का प्रयत्न किया जाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

उद्देश्य की प्राप्ति उपलब्धि की अन्तिम सीमा है और प्राप्त उद्देश्य उस सीमा तक पहुँचने के लिए मार्ग के पड़ाव। जीव विज्ञान का उद्देश्य प्राणियों और पेड़ पौधो के जीवन का अध्ययन करके उनके द्वारा मानव का कल्याण साधन है। इसके लिए पर्याप्त समय श्रम, अध्ययन, विवेचन, नियमन आदि की आवश्यकता है। किसी जीव विशेष या वनस्पति विशेष के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करना प्राप्त उद्देश्य कहा जा सकता है।

इसी प्रकार अन्य जीवों तथा वनस्पतियों से सम्बन्धित ज्ञान प्राप्त करना भी विभिन्न मुख्य उद्देश्य हैं। प्रत्येक प्राप्त उद्देश्य मुख्य उद्देश्य की प्राप्ति में सहायक है और समस्त प्राप्त उद्देश्य मिलकर मुख्य उद्देश्य की पूर्ति करते हैं।

शिक्षण उद्देश्य शिक्षा प्रक्रिया का मूलाधार एवं अन्तिम प्राप्तव्य है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम एवं शिक्षण विधि का निर्धारण होता है विवेचन के आधार पर हम कह सकते हैं-

(i) शिक्षण उद्देश्य शिक्षा निर्देशन करते हैं।
(ii) पाठ्यक्रम निर्माण में सहायक है।
(iii) शिक्षण अनुभवों के नियोजन में सहायक है।
(iv) मूल्यांकन के लिए आधार प्रदान करता है।

प्रधानाचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

MAIN Aims of Biology Teaching—

जीव विज्ञान शिक्षण के प्रमुख उद्देश्य- जीव विज्ञान शिक्षण के प्रमुख उद्देश्य निम्न प्रकार है—

1- ज्ञानात्मक
11- बोध
3- कुशलता
4- योग्यता
5- वैज्ञानिक रुचि
6- वैज्ञानिक विधि
7- वैज्ञानिक दृष्टिकोण
8- गुण-दोष विवेचन
9- अवकाश के समय का सदुपयोग
10- व्यवसायिक शिक्षा का आधार
11- जीवन स्तर का उन्नयन

1- ज्ञानात्मक उद्देश्य — जीव विज्ञान शिक्षण का यह प्रमुख उद्देश्य है। वर्तमान शिक्षा प्रक्रिया से प्रायः इसी उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास हो रहा है। बालक को प्रमुख रूप से निम्न प्रकार का ज्ञान प्राप्त करना होता है।

(i) जीव विज्ञान की वैज्ञानिक शब्दावली तथा तथ्यों का ज्ञान।

11- जीव विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्तों एवं प्रक्रियाओं का ज्ञान।

111- प्राकृतिक क्रियाओं का ज्ञान

1V- जन्तु तथा वनस्पति का ज्ञान तथा एक दूसरे पर निर्भरता।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

2- जीव विज्ञान के सिद्धान्तों तथा प्रक्रियाओं का बोध विभिन्न जैव वैज्ञानिक तथ्य एक दूसरे से सम्बन्धित होते हैं। इन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर छात्र अनेक सामान्यीकरण और सिद्धान्तों का निरूपण करते हैं।

3- कौशलों का विकास — आधुनिक समय में जीव विज्ञान का प्रमुख उद्देश्य छात्रों में विभिन्न कुशलताओं का विकास करना है, जिससे दैनिक जीवन की अनेक समस्याओं का निराकरण कर जीवन-स्तर को उन्नत बनाया जा सके। विभिन्न कौशल निम्न प्रकार हैं —

i- समस्या को हल करना
ii- वैज्ञानिक विधि के पदों के उपयोग की कुशलता
iii- विभिन्न तथ्यों के आधार पर सामान्यीकरण की क्षमता
iv- वेक्षण कुशलता
v- रेखा चित्र खींचने की कुशलता।

4- विभिन्न योग्यताओं का विकास - विभिन्न जन्तुओं और वनस्पति की पहचान और उनके वर्गीकरण की योग्यता, विभिन्न जन्तुओं और वनस्पति विच्छेदन की योग्यता, अपनी गृह-वाटिका को लगाये रखने की योग्यता आदि।

5- जीव विज्ञान में रुचि का विकास - जीव जगत से प्राप्त विभिन्न अनुभवों के आधार पर छात्रों में उनके कारण जानने की

प्राचार्य
मीस मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

स्वाभाविक जिज्ञासा होती है और इस जिज्ञासा के निराकरण हेतु बालक अनेक प्रश्न विषय अध्यापक से करते हैं जो उसकी रुचि का परिचायक है। विषय-अध्यापक द्वारा बालों की जिज्ञासाओं का निराकरण उसमें रुचि के विकास में सहायक होता है।

6- वैज्ञानिक विधि का विकास — किसी भी समस्या का निराकरण करने के लिए एक क्रम-बद्ध प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है जिसे वैज्ञानिक विधि कहते हैं। इसमें निम्न पदों का उपयोग किया जाता है —

I- समस्या को पहचानना।
II- समस्या का सीमांकन।
III- समस्या का परिभाषीकरण।
IV- शब्दों का एकीकरण।
V- तथ्यों के संकलन।
VI- निर्णय निकालना।

7- वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास — जीव विज्ञान शिक्षण का प्रमुख उद्देश्य बालों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण युक्त बालक में जिज्ञासा, सत्य निष्ठा उपलब्ध परिणामों के आधार पर पूर्व धारणाओं में परिवर्तन, अन्धविश्वासों का न होना वस्तुनिष्ठता आदि गुण पाये जाते हैं। इन गुणों का विकास सतत प्रयास से ही सम्भव है

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

8- गुण - दोष विवेचन

9- अवकाश के समय का सदुपयोग।

10- व्यवसायिक शिक्षा का आधार।

11- जीवन - स्तर का उन्नयन।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, लाखा, बलिया

Date: / /

Writing Objectives in Behavioural Objective form.

प्राप्त उद्देश्यों को व्यवहारपरक उद्देश्य के रूप में लिखना — शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के परिणाम को ध्यान में रखते पर शिक्षण उद्देश्यों को लिखना सरल हो जाता है। प्राप्त उद्देश्यों के कथन द्वारा शिक्षण उत्पाद, अर्थात शैक्षिक परिणाम का बोध होता है कि छात्र में अपेक्षित परिवर्तन क्या होगा ? प्राय: उद्देश्यों को लिखते समय निम्न बिन्दुओं को ध्यान में रखना चाहिए—

I- प्रत्येक उद्देश्य को केवल शीर्षक के रूप में जैसे- ज्ञान देना, प्रयोग करना, कौशल आदि न लिखकर पूर्ण वाक्य में लिखना चाहिए। अपूर्ण वाक्य जैसे- जीव विज्ञान का ज्ञान देना, वैज्ञानिक दृष्टि कोण का विकास आदि भी शिक्षण प्रक्रिया की दृष्टि से उपयोगी एवं अर्थपूर्ण नहीं होते।

II- प्रत्येक उद्देश्य द्वारा छात्र में अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन का बोध होना चाहिए।

III- प्रत्येक उद्देश्य द्वारा अपेक्षित परिवर्तन सम्भव होगा तथा किस क्षेत्र में होगा स्पष्ट होना चाहिए।

IV- प्रत्येक उद्देश्य इतना स्पष्ट और विशिष्ट होना चाहिए कि उसमें अन्य कोई क्षेत्र समाहित न हो सके।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

V- विभिन्न प्राप्यों को स्पष्टता, शिक्षण क्रियाओं के संगठन तथा आयोजन के दृष्टिकोण से विभिन्न प्रमुख शीर्षकों के अन्तर्गत इस प्रकार लिखना चाहिए कि वे मूल्यांकन प्रक्रिया में सहायक हो सके।

VI- प्राप्त उद्देश्य इतने स्पष्ट एवं विशिष्ट भा[षा] में लिखे जाने चाहिए कि अधिगमकर्ता अर्थात छात्र स्पष्ट रूप से समझ सके।

VII- प्रत्येक उद्देश्य को वांछित व्यवहार परिवर्तन की भाषा में लिखा सके।

29/08/2020

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया